अनुक्रम

	पृष्ठ
उपोद्घात	५–३०
पद	
१. अकथ कहानी प्रेम की	१
२. अजहूँ बीच कैसे दरसन तोरा	२
३. अपनैं बिचारि असवारी कीजै	२
४. अपनो करम न मेटो जाई	३
५. अपुनपौ आपुहि बिसर्‌यो	५
६. अब कँह चलेउ अकेले मीता	७
७. अब का डरौं डर डरहि समानां	८
८. अब क्या कीजै ग्यांन बिचारा	९
९. अब तोहि जांन न दैहूँ राम पियारे	१०
१०. अब न बसूँ इहि गाउँ गुसाईं	११
११. अब मन जागत रहु रे भाई	१४
१२. अब मैं जानिबो रे	१५
१३. अब मैं पाइबो रे पाइबो	१६
१४. अब मैं रांम सकल सिधि पाई	१९
१५. अब मोहिं नाचिबौ न आवै	१९
१६. अब मोहिं रांम भरोसा तोरा	२१
१७. अब मोहिं ले चल	२२
१८. अब हम जानिया हो	२३
१९. अब हम भयल बाहिरि जल मीना	२४
२०. अब हम सकल कुसल करि मांनां	२५
२१. अब हरि हूँ अपनौं करि लीनौं	२६
२२. अबिनासी दुलहा कब मिलिहौ	२७
२३. अल्लह रांम जिऊँ तेरै नांई	२८
२४. अलह लौ लाएँ काहे न रहिए	३०
२५. अवधू ऐसा ग्यांन बिचारं	३१
२६. अवधू ऐसा ग्यांन बिचारी	३२

२७. अवधू कामधेनु गहि बाँधी रे	३३
२८. अवधू कुदरति की गति न्यारी	३५
२९. अवधू गगन मंडल घर कीजै	३६
३०. अवधू ग्यान लहरि धुनि मांड़ी रे	३७
३१. अवधू छाड़हु मन बिस्तारा	३८
३२. अवधू जागत नींद न कीजै	४०
३३. अवधू जांनि राखि मन ठाहरि	४३
३४. अवधू जोगी जग तैं न्यारा	४४
३५. अवधू मेरा मन मतिवारा	४६
३६. अवधू बैतत रावल माता	४८
३७. अवधू सो जोगी गुर मेरा	४९
३८. आऊँगा न जाऊँगा	५१
३९. आपन आस किए	५१
४०. आब बे आब	५२
४१. आसन पवन दूरि	५३
४२. आहि मेरे ठाकुर	५४
४३. इह जिउ रांम	५६
४४. इहि ततु रांम	५८
४५. इहि विधि राँम	६०
४६. इह धनु मेरै	६१
४७. एक अचंभा ऐसा भया	६२
४८. एक अचंभौ देखा	६३
४९. एक सुहागिनि जगत पियारी	६५
५०. एहि विधि सेइए	६६
५१. ऐसा अद्‌भुत मेरे	६९
५२. ऐसा ग्यान बिचारि लै	७०
५३. ऐसा ग्यान बिचारु मना	७२
५४. ऐसा ध्यान धरौ नरहरी	७३
५५. ऐसा भेद बिगूचनि भारी	७५
५६. ऐसी आरती त्रिभुवन तारै	७६
५७. ऐसी नगरिया मैं	७६
५८. ऐसे लोगन सौं का कहिए	७७

५९. ऐसै मन लाइ	७८
६०. ऐसो जोगिया है	७९
६१. ऐसो देखि चरित	८०
६२. ऐसो हरि सो	८१
६३. कबिरा कब से भए बैरागी	८२
६४. कबिरा तेरो घर कँदला में	८३
६५. कबिरा तेरो बन कँदला में	८६
६६. कबीरा बिगर्‌यो राम दुहाई	८७
६७. कबीरा संत नदी गयौ बहि रे	८८
६८. कहहु निरंजन कौने बानी	८९
६९. कहा करउं कैसे तरउं	९०
७०. कहा नर गरबसि धोगी बात	९२
७१. कहु पंडित सूचा कवन ठांउं	९३
७२. कहु रे मुल्ला बांग निवाजा	९४
७३. कहूँ रे जो कहिबे की होइ	९५
७४. कहौ भइया अंबर कासौ लागा	९६
७५. काको रोऊँ गल बहुतेरा	९७
७६. काजी तैं कवन कतेब बखांनी	९७
७७. का नांगे का बाँधे चाम	९९
७८. काया बौरी चलत प्रांन काहे रोई	१००
७९. काया मांजसि कौन गुनां	१०१
८०. काहे कूँ भीति बनाऊँ टाटी	१०२
८१. काहे बीहो मेरे साथी	१०२
८२. काहे मेरे बांम्हन हरि न कहहि	१०३
८३. काहे रे नलिनी तूँ कुम्हिलानी	१०४
८४. कुसल खेम अरु सही सलामति	१०६
८५. कैसे तरो नाथ कैसे तरो	१०७
८६. कैसैं नगर करौं कुटवारी	१०८
८७. कोई पीवै रे रस राँम-नाँम का	१०९
८८. कोई राम रसिक रस पियहुगे	११०
८९. को न मुवा कहु पंडित जनां	१११
९०. कौन बिचारि करत हौ पूजा	११२

९१. कौन मरै कौन जनमैं आई ११३
९२. क्या मागौं किछु थिर न रहाई ११४
९३. क्यौं लीजै गढ़ बंका भाई ११५
९४. खसम बिनु तेली को बैल भयो ११७
९५. गुर बिन दाता कोइ नहीं ११८
९६. गुणां का भेद न्यारौ न्यारौ १२०
९७. गोकुल नाइका बीठुला १२१
९८. गोविंद हम ऐसे अपराधी १२४
९९. गोविंदे तुम्ह थैं डरपौं भारी १२५
१००. गोविंदै तुम्हारै बनि कदली १२६
१०१. चतुराई न चतुरभुज पइऐ १२७
१०२. चलत कत टेढ़े टेढ़े टेढ़े १२८
१०३. चलन चलन सब कोइ कहत है १२९
१०४. चलहु बिचारी रहहु सँभारी १३०
१०५. चारि दिन अपनी नौबति चले बजाइ १३१
१०६. चलि चलि रे भँवरा कंवल पास १३२
१०७. चातक कहाँ पुकारै दूरी १३४
१०८. छाकि पर्‌यो आतम मतिवारा १३५
१०९. जंत्री जंत्र अनूपम बाजै १३६
११०. जहं सतगुर खेलत रितु बसंत १३७
१११. जउ मैं बउरा तउ रांम तोरा १३८
११२. जगत गुर अनहद किंगरी बाजै १३९
११३. जतन बिनु मिरगनि खेत उजारे १४१
११४. जब थैं आतम तत्त बिचारा १४२
११५. जस मांसु पसु की तस मांसु नर की १४३
११६. जाइ पूछौ गोविंद पढ़िया पंडिता १४४
११७. जाइ रे दिन ही दिन देहा १४६
११८. जागि रे जीव जागि रे १४७
११९. जांनी जांनी रे राजा राम की कहांनी १४७
१२०. जारौं मैं या जग की चतुराई १४९
१२१. जिअत न मारि मुवा मति लावै १५०
१२२. जिअ रे जाहिगा मैं जांनां १५२